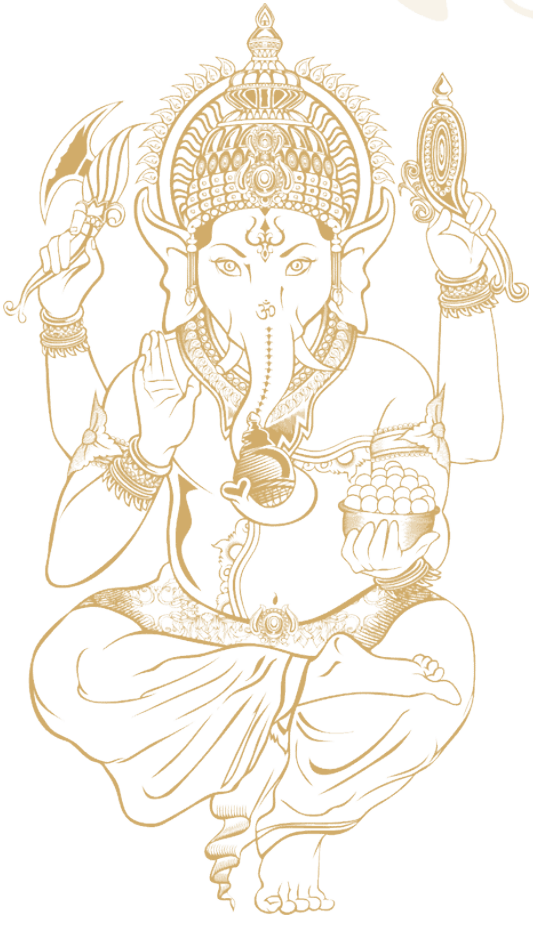

Santhosi jitendar purohit

06 Jan 1990

11:30 AM

Kalyan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121383003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/01/1990**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	10:43:19 घटी
स्थान	**Kalyan**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:17:00 उत्तर
रेखांश	73:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:52:44 घंटे
वेलान्तर	-00:05:43 घंटे
साम्पातिक काल	17:54:58 घंटे
सूर्योदय	07:12:40 घंटे
सूर्यास्त	18:13:28 घंटे
दिनमान	11:00:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:56:06 धनु
लग्न के अंश	04:39:58 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	04:39:58	463:45:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			धनु	21:56:06	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	15:47:40	14:22:44	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृश्चि	19:37:42	00:42:23	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध	व	अ	धनु	28:25:00	01:08:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	10:47:50	00:07:50	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	11:24:39	00:19:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
शनि		अ	धनु	22:29:58	00:07:07	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
राहु	व		मक	23:10:00	00:02:46	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	23:10:00	00:02:46	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:20:55	00:03:34	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:29:50	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:29:48	00:01:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			धनु	05:07:39	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:15

लग्न-चलित

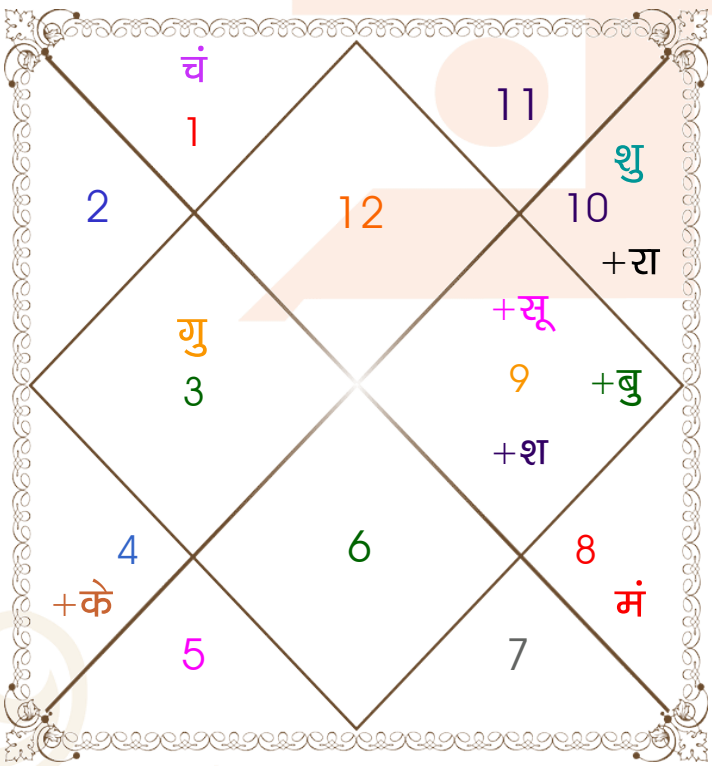

चन्द्र कुंडली

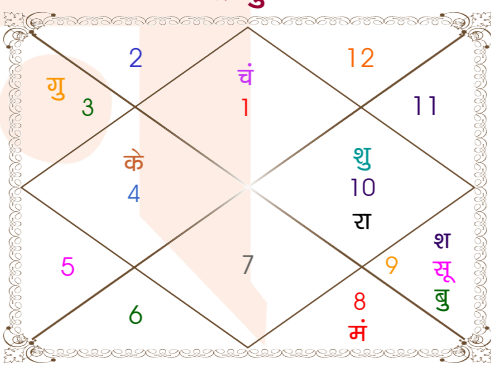

नवमांश कुंडली

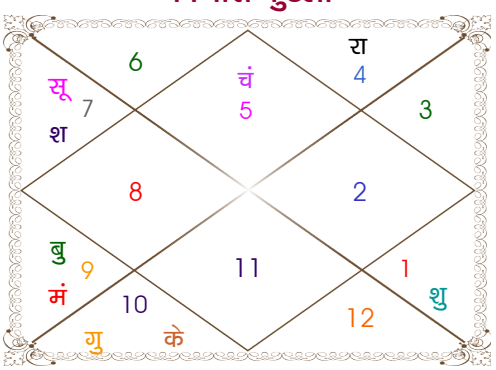

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 3 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/01/1990		29/04/2006		28/04/2012		29/04/2022		28/04/2029	
29/04/2006		28/04/2012		29/04/2022		28/04/2029		29/04/2047	
	06/01/1990	सूर्य	16/08/2006	चंद्र	27/02/2013	मंगल	25/09/2022	राहु	10/01/2032
सूर्य	28/08/1990	चंद्र	15/02/2007	मंगल	28/09/2013	राहु	13/10/2023	गुरु	04/06/2034
चंद्र	28/04/1992	मंगल	23/06/2007	राहु	29/03/2015	गुरु	18/09/2024	शनि	10/04/2037
मंगल	28/06/1993	राहु	16/05/2008	गुरु	28/07/2016	शनि	28/10/2025	बुध	29/10/2039
राहु	28/06/1996	गुरु	05/03/2009	शनि	27/02/2018	बुध	25/10/2026	केतु	15/11/2040
गुरु	27/02/1999	शनि	15/02/2010	बुध	29/07/2019	केतु	23/03/2027	शुक्र	16/11/2043
शनि	29/04/2002	बुध	22/12/2010	केतु	27/02/2020	शुक्र	23/05/2028	सूर्य	10/10/2044
बुध	27/02/2005	केतु	29/04/2011	शुक्र	28/10/2021	सूर्य	27/09/2028	चंद्र	10/04/2046
केतु	29/04/2006	शुक्र	28/04/2012	सूर्य	29/04/2022	चंद्र	28/04/2029	मंगल	29/04/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/04/2047		29/04/2063		29/04/2082		29/04/2099		30/04/2106	
29/04/2063		29/04/2082		29/04/2099		30/04/2106		00/00/0000	
गुरु	16/06/2049	शनि	02/05/2066	बुध	24/09/2084	केतु	25/09/2099	शुक्र	29/08/2109
शनि	28/12/2051	बुध	09/01/2069	केतु	22/09/2085	शुक्र	25/11/2100	सूर्य	07/01/2110
बुध	04/04/2054	केतु	18/02/2070	शुक्र	22/07/2088	सूर्य	02/04/2101		00/00/0000
केतु	11/03/2055	शुक्र	19/04/2073	सूर्य	29/05/2089	चंद्र	01/11/2101		00/00/0000
शुक्र	09/11/2057	सूर्य	01/04/2074	चंद्र	28/10/2090	मंगल	30/03/2102		00/00/0000
सूर्य	28/08/2058	चंद्र	01/11/2075	मंगल	26/10/2091	राहु	18/04/2103		00/00/0000
चंद्र	28/12/2059	मंगल	09/12/2076	राहु	14/05/2094	गुरु	24/03/2104		00/00/0000
मंगल	03/12/2060	राहु	16/10/2079	गुरु	19/08/2096	शनि	02/05/2105		00/00/0000
राहु	29/04/2063	गुरु	29/04/2082	शनि	29/04/2099	बुध	30/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल

देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।